झारखण्ड सरकार

झारखण्ड ग्रामीण स्वास्थ्य मिशन समिति
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग
झारखण्ड, राँची।

प्रेस विज्ञप्ति

अस्पताल से भागे रहने वाले डाक्टरों पर होगी कारवाई – के0 विद्या सागर

रॉची दिनांक 07/08/2015 को चाईबासा जिला स्थित माधव सभागार में राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, झारखण्ड़ के अर्न्तगत चलाए जा रहे कोलहान प्रमण्डल के तीन जिला पशिचमी सिंहभूम, पूर्वी सिंहभूम एंव सरायकेला के सभी कार्यक्रमों की समीक्षा के0 विद्या सागर, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग, झारखण्ड सरकार के द्वारा किया गया। उन्होने समीक्षा करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों तथा श्हरी क्षेत्रों के स्वास्थ्य सूचकांक में बहुत अंतर है। इस अंतर को समाप्त करने के लिए हमे विषेश कार्यक्रम बनाने कि आवशयकता है। अलग अलग क्षेत्रों का विशलेषण कर उनके आवशयकतानुसार प्लान बनाना होगा। उन्हाने कहा कि ब्लॉक स्तर पर कार्यो की समीक्षा करने का जरूात है , ऐसे 24 खराब ब्लॉक को खोजना है जहॉ का कार्य स्तर काफी खराब है और उन ब्लॉक का विषेश प्लान बनाकर स्वास्थ्य सूचांक को बेहतर करना होगा। स्वास्थ्य कार्यक्रमो का मूल्यांकन अब ब्लॉक स्तर पर किया जाएगा। सरकारी एंव राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के कर्मचारियों का मूल्यांकन कार्य के आधार पर किया जाएगा तथा उसी के आधार पर कार्य विस्तार किया जाएगा।

सिविल सर्जन का निदेश देते हुए कहा कि सभी स्थानिय डाक्टार जो जिला अस्पतालो मे कार्यरथ हैं उनके घर का पता राज्य दें,ताकि उनके अस्पताल मे रहने की जानकारी प्राप्त किया जा सके। सभी जिला स्तरीय MOIC एंव अन्य कर्मियों की प्रतिनियुक्ति को रद करने को कहा। अपातकालीन स्थिती मे जो प्रतिनियुक्ति किया जाऐगा उसकी जानकारी राज्य कार्यलय को देना अनिवार्य होगा। RDD को निदशित किया गया है कि सभी डाक्टारों की अस्पताल मे उपस्थिति, दवाई की उपलब्धता एंव अस्पताल मे सफाई पर नजर रखें एंव उसका विस्तृत रिंपोट राज्य को प्रत्येक माह भेजेगें।

डाक्टर के द्वारा प्राईवेट प्रेकटिक्स किये जाने पर जोर दे कर कहा कि यह सरकार को मान्य नही होगा और डाक्टरों को बिजनेश के रूप मे या अस्पताल से गायब रहकर प्राईवेट प्रेकटिक्स को बंद करना होगा। निदेशक प्रमुख को निदेशित किया गया हे कि इस संबंध मे सभी जिलो को पत्र लिख कर सूचित कर दिया जाए। अगर इसके बाद भी अगर डाक्टर के द्वारा प्राईवेट प्रेकटिक्स किया जाएगा ओर उसकी सूचना सरकार को मिलेगी, तो उन पर सख्त कारवाई करते हुए उन्हे डिसमिस किया जाऐगा।
सिविल सर्जन के द्वारा प्रत्यके सप्ताह का OPD, IPD को विस्तृत रिंपोट हर महीना मे राज्य कार्यलय को देना की बरा कही। जिला स्तर पर प्रेत्येक दो महीने मे मेडिकल कैम्प लगाये जाने का निदेश जिला को दिया।
तीनो जिलो के सिविल सर्जन को निदेश दिया गया है कि सहिया एंव जननी शिशु कार्यक्रम के बकाया राशि का भुगतान जबतक सहिया एंव लाभार्थी को नही किया जाता है , तब तक जो व्यक्ति इसके लिए जिमेवार है उसका Salary रोक दिया जाए। साथ ही एक सप्ताह के अन्दर सभी बाकाया राशि को लाभार्थी को देने को कहा गया। अस्पताल मे गर्भवती माता एंव महिलों के लिए दवा वितरण का अलग जगहा बनाए जाने की बात कही।

जिला मे रेसनल पोसटिंग पर उन्होने कहा कि जॉहा पर लोगो की जरूरत नही है,उनको चिन्हित कर वैसे कर्मचारियों को हटाया जाए। इस पर राज्य स्तर से निदेशक प्रमुख को सभी जिलों को इस संबंध मे प्रत्र लिखकर सूचित करने को कहा गया। 15 अगस्त जक PFMS (Public Financial Management System) को तीनो जिला मे शुरू करने को कहा गया है,जो जिला 15 अगस्त तक इस कार्य को नही कर पाता हे उस जिला के DAM एंव BAM को स्पष्टीकरण पूछा जाएगा। जिला द्वारा रखे गए Co-operative Bank मे पैसे को निलाकर Nationalized Bank मे रखने का आदेश दिया गया है, जिससे PFMS को जल्द से जल्द जिला मे लागू किया जा सके।

समीक्षा के दौरान निकलर आया कि अभी भी तीनो जिलो मे काफी राशि पड़ा हुआ है। पशिचमी सिंहभूम मे 19.44 करोड़ ,पूर्वी सिंहभूम मे 11.68 करोड़ एंव सरायकेला मे 11.65 करोड़ की राशि पर कोई कार्य नही किया गया है। सभी जिलो को तीन महीने मे प्लान के अनरूप कार्य कर राशि खर्च करने का समय दिया गया। अगर इस दौरान यह राशि खर्च नही किय जाने पर जिमेवारी सिविल सर्जन की होगी । उन्हाने स्पष्ट कहा की जो डाक्टर अस्पताल से गायब रहतें हैं, विभाग उन पर कारवाई करेगी और ऐसे 40 डाक्टरों की सूची तैयार की गई,जिस पर जल्द कारवाई किया जाएगा।

समीक्षा बैठक मे मौजुद आषीश सिंहमार, अभियान निदशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,झारखण्ड ने PPT के माध्यम से तीनो जिलो के विभन्न स्वास्थ्य कार्यो के ऑकडो के द्वारा राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन मे चल रहे कार्यो का मूल्यांकन किया। उन्होने कहा कि JSY के अर्न्तगत 2 % राशि का उपयोग प्रशसनिक कार्यो मे किया जा सकता है। राज्य लेखा शाखा को निदेश दिया कि To Be Spent मे रखी गई राशि को ब्लॉक वार बनाकर तीनो जिलो को दें। जिससे कार्य मे तेजी लाया जा सके। उन्होने प्रधान सचिव स्वास्थ्य को असवस्त किया कि कोल्हान प्रमण्डल मे तीन महीने मे व्यापक सुधार होगा।

इससे पूर्व सदर अस्पताल, **चाईबासा** मे के0 विद्या सागर, प्रधान सचिव, स्वास्थ्य विभाग, झारखण्ड सरकार, आषीश सिंहमार, अभियान निदशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन,झारखण्ड के द्वारा **जन स्वास्थ्य प्रयोगशाला** का उद्दघाटन किया गया। जिसमे BIO Chemical ,Micro Biological जॉच किया जा सकेगा। पहले इस जॉच के लिए Sample कलकता भेजा जाता था। अब यह जॉच सदर अस्पताल मे किया जा सकेगा।

इस दोरान समीक्षा बैठक मे तीनो जिला के सिविल सर्जन, अपर मुख्य चिकित्सा पदा0, आर0 डी0 डी0, जिला काय्रक्रम प्रबंधक, जिला काय्रक्रम समन्वयक, ब्लॉक स्तर के पदा0 कुल 130 लोगो ने भाग लिया। राज्य स्तर से इस बैठक में डॉ0 सुमंत मिश्रा, निदेशक प्रमुख, डॉ0 ए0 के0 चौधरी निदेशक ,डॉ0 रमेश प्रसाद, डॉ0 एम0 एन0 लाल, अपर निदेशक निदेशक, डॉ0 अजित ,उप निदेशक, डॉ0 पुष्पा मारिया बेग उप निदेशक , SPM, NHM ,SPC ,NHM ,SFM,NHM आदि कर्मी उपस्थित थे।

नोडल ऑफिसर
आई0 ई0 सी0 कोषांग